Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

# कक्षा - 12

## समकालीन विश्व राजनीति

अध्याय - 7

# वैश्वीकरण

भाग - 1

Satyaveer Yadav

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

# वैश्वीकरण

## विश्व का एकीकरण

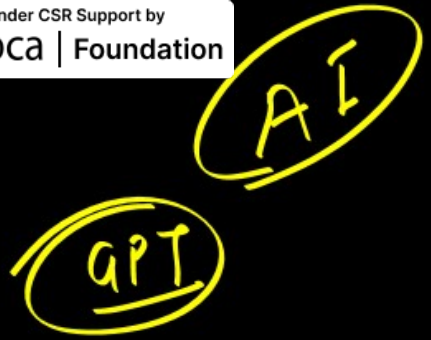
एक अवधारणा के रूप में वैश्वीकरण की बुनियादी बात है :-

**प्रवाह**

- विश्व के एक हिस्से के विचारों का दूसरे हिस्से में पहुंचाना
- पूंजी का एक से ज्यादा जगहों पर जाना
- वस्तुओं का कई–कई देशों में पहुंचना
- व्यापार तथा आजीविका की तलाश में दुनिया के विभिन्न हिस्सों में लोगों की आवाजाही

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER




# वैश्वीकरण के कारण

- प्रौद्योगिकी
  - टेलीग्राफ
  - टेलीफोन
  - माइक्रोचिप
  - संचार क्रांति
- हमारे सोचने के तरीके पर प्रभाव
- विचार, पूंजी, वस्तु और लोगों की विभिन्न भागों में आवाजाही की आसानी
- विश्व के विभिन्न भागों के लोग अब समझ रहे हैं कि वे आपस में जुड़े हुए हैं।
- आज हम इस बात को लेकर सजग है कि विश्व के एक हिस्से में घटने वाली घटना का प्रभाव विश्व के दूसरे हिस्से में भी पड़ेगा।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

# वैश्वीकरण के प्रभाव – राजनीतिक प्रभाव

- राज्य की क्षमता में कमी
  - कल्याणकारी राज्य की जगह न्यूनतम हस्तक्षेपकारी राज्य ने ले ली।
    - राज्य ने अपने को पहले के कई ऐसे लोक–कल्याणकारी कामों से खींच लिया है जिनका लक्ष्य आर्थिक और सामाजिक कल्याण होता था।
- लोककल्याणकारी राज्य की जगह बाजार अब आर्थिक और सामाजिक प्राथमिकताओं का प्रमुख निर्धारक है।
  - पूरे विश्व में बहुराष्ट्रीय निगम अपने पैर पसार चुके हैं और उनकी भूमिका बढ़ी है।
    - इससे सरकारों को अपने दम पर फैसला करने की क्षमता में कमी आती है।
- राजनीतिक समुदाय के आधार के रूप में राज्य की प्रधानता को कोई चुनौती नहीं मिली
  - राज्य इस अर्थ में आज भी प्रमुख है।
    - कानून व्यवस्था, राष्ट्रीय सरक्षा जैसे अनिवार्य कार्य राज्य ही कर रहे हैं।
      - राज्यों की ताकत में इजाफा।
        - राज्यों के हाथ में अत्याधुनिक प्रौद्योगिकी मौजूद